चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 18 सितंबर 2026, अंक –360.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

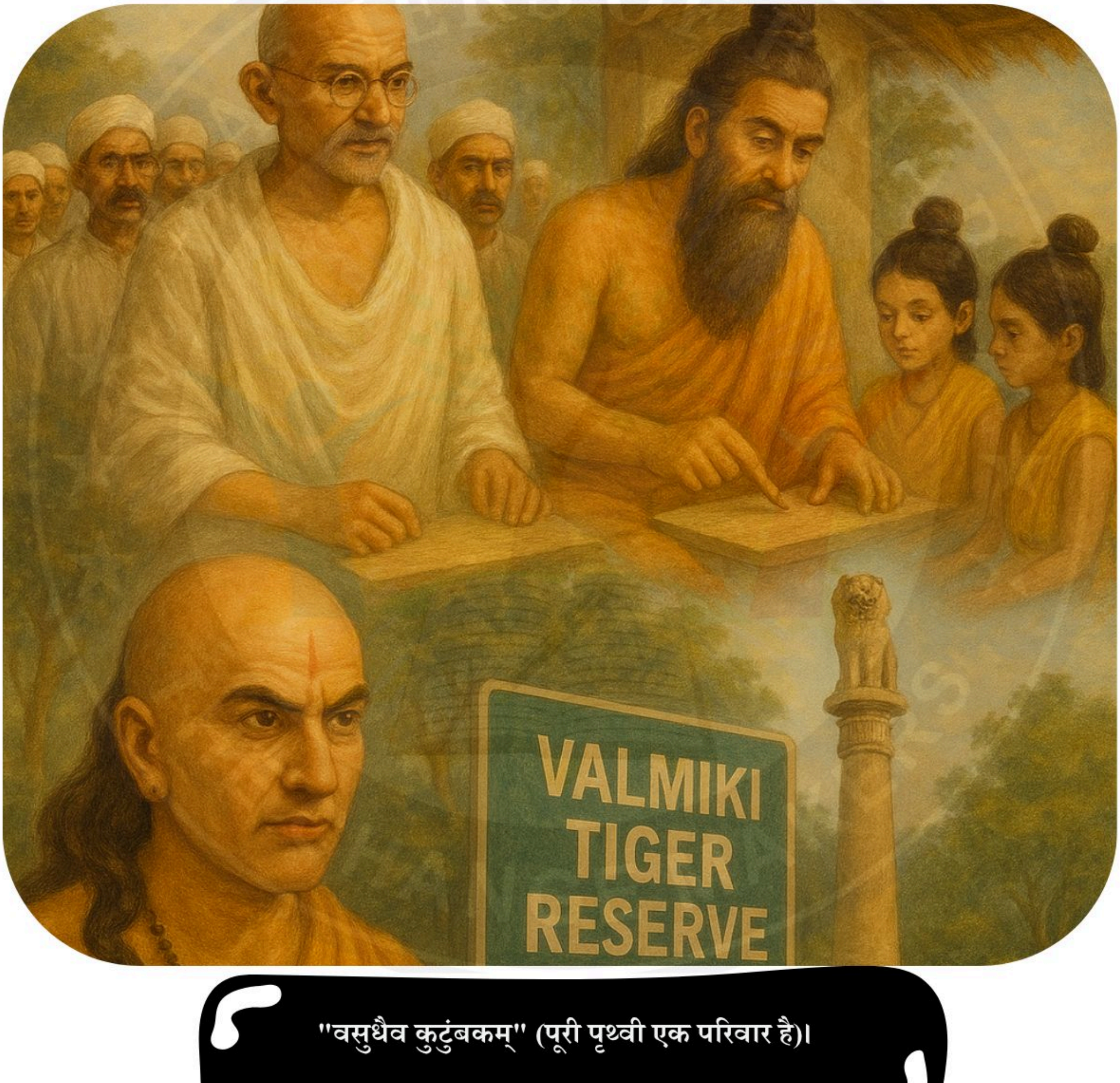

"वसुधैव कुटुंबकम्" (पूरी पृथ्वी एक परिवार है)।

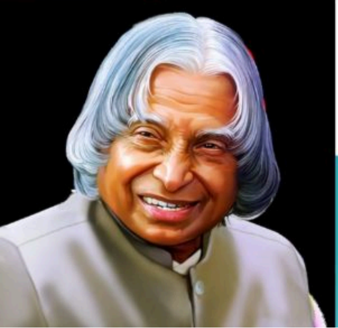

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. नॉर्वे की राजधानी क्या है?
उत्तर: ओस्लो
प्रश्न 2. भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश कौन थे?
उत्तर: एच. जे. कानिया
प्रश्न 3. 'पंथी' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 4. यदि एक आयत की लंबाई 8 सेमी और चौड़ाई 5 सेमी है, तो उसका क्षेत्रफल कितना होगा?
उत्तर: 40 वर्ग सेमी
प्रश्न 5. बिहार में स्थित 'वेणुवन' किस नगर में है?
उत्तर: राजगीर
प्रश्न 6. गाय किस प्रकार का जीव है—शाकाहारी, मांसाहारी या सर्वाहारी?
उत्तर: शाकाहारी
प्रश्न 7. स्टेथोस्कोप का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: रेने लाएनेक
प्रश्न 8. भारत में संघ की कार्यपालिका शक्ति किसमें निहित है?
उत्तर: राष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'जो उपकार मानता हो' – उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: कृतज्ञ
प्रश्न 10. भोजन में स्टार्च की उपस्थिति जाँचने के लिए किस पदार्थ का प्रयोग किया जाता है?
उत्तर: आयोडीन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Farmer - फार्मर - किसान
2️⃣ Fisherman - फिशरमैन - मछुआरा
3️⃣ Merchant - मर्चेंट - व्यापारी
4️⃣ Butcher - बुचर - कसाई
5️⃣ Baker - बेकर - बेकर / रोटी बनाने वाला
6️⃣ Barber - बार्बर - नाई
7️⃣ Blacksmith - ब्लैकस्मिथ - लोहार

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “I am not going to + V1”
(मैं ... करने वाला/वाली नहीं हूँ।)
मैं आज बाहर जाने वाला/वाली नहीं हूँ। – I am not going to go outside today.
मैं यह चीज़ खरीदने वाला/वाली नहीं हूँ। – I am not going to buy this thing.
मैं आज टीवी देखने वाला/वाली नहीं हूँ। – I am not going to watch TV today.
मैं अपना समय बर्बाद करने वाला/वाली नहीं हूँ। – I am not going to waste my time.
मैं आज देर से सोने वाला/वाली नहीं हूँ। – I am not going to sleep late today.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 17 सितंबर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सीय त्रुटियों को रोकने और स्वास्थ्य देखभाल में सुरक्षा संवर्धन हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व रोगी सुरक्षा दिवस (World Patient Safety Day)
व्याख्या: 17 सितंबर को प्रतिवर्ष 'विश्व रोगी सुरक्षा दिवस' मनाया जाता है। इसकी स्थापना मई 2019 में 72वीं विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा संकल्प WHA72.6 के माध्यम से की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य प्रणाली में नैदानिक त्रुटियों, गलत दवा वितरण, शल्य चिकित्सा जोखिमों और संक्रमणों को कम करने के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करना है। यह दिवस स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, नीति निर्माताओं और नागरिकों से यह आह्वान करता है कि रोगी की गरिमा और सुरक्षा को सर्वोपरि प्राथमिकता दी जाए ताकि रोकथाम योग्य चिकित्सीय नुकसान से मानव जीवन की रक्षा की जा सके।
संदर्भ: World Health Organization (WHO) Resolution WHA72.6;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के 'राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन' (NSM) के अंतर्गत देश के किस प्रमुख वैज्ञानिक शोध संस्थान में स्वदेशी 'रुद्र' सर्वर आधारित नए पेटाफ्लॉप सुपरकंप्यूटर का अनावरण किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc, बेंगलुरु)
व्याख्या: सितंबर 2026 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा 'राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन' के तीसरे चरण के तहत भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) बेंगलुरु में उन्नत पेटाफ्लॉप सुपरकंप्यूटिंग प्रणाली का लोकार्पण किया गया। यह प्रणाली पूर्णतः सी-डैक (C-DAC) द्वारा विकसित स्वदेशी 'रुद्र' सर्वर और 'त्रिनेत्र' इंटरकनेक्ट पर आधारित है। यह उच्च-स्तरीय कंप्यूटिंग सुविधा जलवायु मॉडलिंग, दवा खोज, क्वांटम यांत्रिकी, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग और जीनोम अनुक्रमण में भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाती है।
संदर्भ: Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) Press Release September 2026;

प्र.3. वर्ष 1947 के भारत विभाजन की सांप्रदायिक विभीषिका, दंगे, मानवीय त्रासदी और मनोवैज्ञानिक संकट पर आधारित भीष्म साहनी का वह कौन-सा अमर उपन्यास है, जिसे 1975 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: तमस (1973)
व्याख्या: 'तमस' (1973) प्रगतिशील कथाकार भीष्म साहनी द्वारा रचित आधुनिक हिंदी साहित्य का एक कालजयी उपन्यास है। यह उपन्यास भारत विभाजन से ठीक पहले पंजाब के एक शहर में एक मृत सुअर को मस्जिद की सीढ़ियों पर फेंक दिए जाने की घटना से भड़के भयानक सांप्रदायिक दंगों, लूटपाट और रक्तपात का दहला देने वाला यथार्थ प्रस्तुत करता है। इसमें नत्थू, रिचर्ड, बख्शी जी और जरनैल जैसे पात्रों के माध्यम से ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों की 'फूट डालो और राज करो' की कुटिल नीति और आम निर्दोष जनता की लाचारी व मानवीय पीड़ा का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया गया है।
संदर्भ: भीष्म साहनी — 'तमस', राजकमल प्रकाशन; साहित्य अकादमी अभिलेख 1975;

प्र.4. 1936 में उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थापित भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है, जहाँ 1973 में बाघों के संरक्षण हेतु ऐतिहासिक 'प्रोजेक्ट टाइगर' का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया गया था? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान (कॉर्बेट टाइगर रिजर्व)
व्याख्या: उत्तराखंड के नैनीताल और पौड़ी गढ़वाल जिलों में रामगंगा नदी की घाटी में स्थित 'जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान' भारत और एशिया का सबसे पहला राष्ट्रीय उद्यान है। इसकी स्थापना 1936 में ब्रिटिश काल के दौरान संयुक्त प्रांत के गवर्नर मैल्कम हेली के नाम पर 'हेली नेशनल पार्क' के रूप में हुई थी। स्वाधीनता के बाद इसका नाम 'रामगंगा नेशनल पार्क' और 1957 में प्रसिद्ध प्रकृतिवादी व लेखक जिम कॉर्बेट की स्मृति में 'कॉर्बेट नेशनल पार्क' किया गया। 1 अप्रैल 1973 को भारत सरकार ने इसी अभयारण्य से संकटग्रस्त बाघों को विलुप्त होने से बचाने के लिए महत्वाकांक्षी 'प्रोजेक्ट टाइगर' का शुभारंभ किया था।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10 (समकालीन भारत-2), Ch 2 "वन एवं वन्य जीव संसाधन", p. 18–20;

प्र.5. 8 अगस्त 1942 को बंबई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक मैदान (अगस्त क्रांति मैदान) से महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के विरुद्ध किस ऐतिहासिक जन-आंदोलन का बिगुल फूंकते हुए देशवासियों को "करो या मरो" का अमर मंत्र दिया था? (इतिहास)
उत्तर: भारत छोड़ो आंदोलन (अगस्त क्रांति)
व्याख्या: क्रिप्स मिशन की विफलता और द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के मंडराते खतरे के बीच 8 अगस्त 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति ने बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया। महात्मा गांधी ने अपने ऐतिहासिक भाषण में कहा: "मैं आपको एक छोटा-सा मंत्र देता हूँ — करो या मरो (Do or Die)। हम या तो भारत को स्वतंत्र कराएंगे या इस प्रयास में अपने प्राण त्याग देंगे।" 9 अगस्त की सुबह ब्रिटिश सरकार ने 'ऑपरेशन ज़ीरो ऑवर' चलाकर गांधी जी, नेहरू, पटेल सहित शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद यह आंदोलन स्वतःस्फूर्त जनक्रांति में बदल गया, जिसमें छात्रों, किसानों और महिलाओं ने समानांतर सरकारें (जैसे बलिया, सतारा, तामलुक) स्थापित कर ब्रिटिश सत्ता को हिला दिया।
संदर्भ: ... का संघटन: 1870 के

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. राजस्थान के जयपुर और नागौर जिलों में अरावली पर्वतमाला के मध्य स्थित भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील (Inland Salt Lake) कौन-सी है, जो देश के कुल नमक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा प्रदान करती है? (भूगोल)

उत्तर: सांभर झील (Sambhar Salt Lake)

व्याख्या: सांभर झील राजस्थान के मध्य-पूर्व में अरावली पहाड़ियों से घिरी एक विशाल प्राकृतिक अंतर्देशीय खारे पानी की झील है, जो लगभग 230 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली है। इसमें मेंथा, रूपनगढ़, खारी और खंडेला नदियां अपना जल विसर्जित करती हैं। चारों ओर से बंद अपवाह तंत्र (Endorheic Basin) और अत्यधिक वाष्पीकरण के कारण यहाँ की मिट्टी और जल में सोडियम क्लोराइड की सांद्रता अत्यधिक उच्च होती है। यहाँ पारंपरिक रूप से क्यारियों में वाष्पीकरण द्वारा नमक तैयार किया जाता है, जो भारत के कुल नमक उत्पादन का लगभग 8 से 9 प्रतिशत आपूर्ति करता है। समृद्ध जैव-विविधता और राजहंस (फ्लेमिंगो) पक्षियों के पर्यावास के कारण इसे 1990 में रामसर स्थल घोषित किया गया था।

प्र.7. भारतीय संविधान के भाग-XV में निहित कौन-सा अनुच्छेद संसद, राज्य विधानमंडलों, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पदों के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के संचालन हेतु 'भारत निर्वाचन आयोग' की स्थापना का प्रावधान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 324 (Election Commission of India)

व्याख्या: भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 324' देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने हेतु एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय 'भारत निर्वाचन आयोग' (ECI) की स्थापना करता है। यह आयोग को संसद (लोकसभा व राज्यसभा), राज्यों की विधानसभाओं व विधान परिषदों, तथा भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का संपूर्ण अधिकार सौंपता है (पंचायतों और नगरपालिकाओं के चुनाव राज्य चुनाव आयोग कराता है)। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संविधान के तहत की जाती है और उन्हें पद की सुरक्षा प्राप्त होती है ताकि वे कार्यपालिका के अनुचित राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर कार्य कर सकें।

संदर्भ: Constitution of India, Part XV, Article 324; NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. श्वेत प्रकाश की किरण को जब किसी पारदर्शी कांच के प्रिज्म से गुजारा जाता है, तो उसके अपने सात अवयवी रंगों (VIBGYOR) में विभाजित होने की इस प्रकाशिक परिघटना को क्या कहा जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: प्रकाश का वर्ण-विक्षेपण (Dispersion of Light)

व्याख्या: जब सूर्य का श्वेत प्रकाश किसी कांच के त्रिकोणीय प्रिज्म में से होकर गुजरता है, तो प्रिज्म के भीतर विभिन्न रंगों की प्रकाश तरंगों की चाल अलग-अलग हो जाती है। माध्यम में प्रकाश की चाल तरंगदैर्घ्य पर निर्भर करती है। सबसे कम तरंगदैर्घ्य वाले बैंगनी (Violet) रंग के प्रकाश का अपवर्तनांक सर्वाधिक होने के कारण उसका झुकाव (विचलन) सबसे अधिक होता है, जबकि सबसे अधिक तरंगदैर्घ्य वाले लाल (Red) रंग के प्रकाश का झुकाव सबसे कम होता है। इस अंतर के कारण श्वेत प्रकाश सात रंगों के एक स्पेक्ट्रम — बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी और लाल (VIBGYOR) में बंट जाता है। 1665 में सर आइजैक न्यूटन ने सर्वप्रथम इस परिघटना का प्रायोगिक प्रदर्शन किया था। प्रकृति में इंद्रधनुष का निर्माण जल की सूक्ष्म बूंदों द्वारा प्रकाश के इसी वर्ण-विक्षेपण, अपवर्तन और आंतरिक परावर्तन का परिणाम है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 11 ... p. 214–217.

प्र.9. महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) जिले में 8वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम द्वारा एक ही विशाल शैलखंड को ऊपर से नीचे तराशकर बनाया गया विश्व का सबसे बड़ा एकाश्म मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: एलोरा का कैलाश मंदिर (गुफा संख्या 16)

व्याख्या: एलोरा का कैलाश मंदिर (गुफा संख्या 16) प्राचीन भारतीय स्थापत्य और मूर्तिकला का अप्रतिम विश्व आश्चर्य है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट वंश के प्रतापी राजा कृष्ण प्रथम (756–773 ईस्वी) के शासनकाल में हुआ था। इस मंदिर की अद्वितीय विशेषता यह है कि इसे किसी पत्थर को जोड़कर नहीं बनाया गया, बल्कि सह्याद्रि पर्वत की बेसाल्ट चट्टान को ऊपर से नीचे की ओर (Top to Bottom) लगभग 2 लाख टन पत्थर काटकर तराशा गया है। यह भगवान शिव के निवास कैलाश पर्वत का प्रतीक है और द्रविड़ स्थापत्य शैली में निर्मित है। इसके मंडप, नंदी कक्ष, विशाल विमान और दीवारों पर उकेरी गई 'रावण द्वारा कैलाश पर्वत उठाना' और 'महिषासुर मर्दिनी' की मूर्तियां प्राचीन भारतीय मूर्तिकारों के सर्वोच्च कौशल को प्रदर्शित करती हैं। 1983 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 5 "भारतीय गुफा कला और स्मारक", p. 68–72;

प्र.10. प्राचीन काल में गंगा नदी के उत्तर में 8 गणतांत्रिक कुलों के संघ के रूप में स्थापित वह कौन-सा महाजनपद था, जिसकी राजधानी वैशाली थी और जिसे विश्व का प्रथम गणतंत्र माना जाता है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: वज्जि संघ (लिच्छवी गणराज्य / वैशाली)

व्याख्या: 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में उत्तरी बिहार में गंगा नदी के उत्तर में स्थित 'वज्जि महाजनपद' विश्व की पहली औपचारिक गणतांत्रिक शासन व्यवस्था (Republic) का जन्मदाता माना जाता है। यह 8 कुलों (अष्टकुल) का एक शक्तिशाली संघ था, जिसमें 'लिच्छवी', 'विदेह' और 'ज्ञात्रिक' प्रमुख थे। इसकी राजधानी 'वैशाली' थी। इस गणराज्य में शासन का संचालन किसी एक राजा द्वारा न होकर 'संथागार' (विधानसभा) में एकत्रित प्रतिनिधियों द्वारा लोकतांत्रिक मतदान (शलाका-ग्रहण) और खुली चर्चा के आधार पर किया जाता था। भगवान महावीर का जन्म इसी वैशाली के निकट कुंडलपुर (ज्ञात्रिक कुल) में हुआ था तथा भगवान बुद्ध ने अपने जीवन का अंतिम उपदेश वैशाली में ही दिया था और यहाँ महिलाओं को पहली बार बौद्ध संघ में प्रवेश की अनुमति दी थी।

संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 5 "राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य", p.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W2 — सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) के अनुसार चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट (Seat Belt) का उपयोग करना क्यों अनिवार्य है और रेलवे पटरियों पर सेल्फी/रील बनाने पर कानूनन क्या सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: जड़त्व के झटके व टक्कर से बचाव; 6 माह तक जेल एवं 1000 रुपये जुर्माना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W2: सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) के अनुसार, आधुनिक यातायात में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन अत्यंत जानलेवा होता जा रहा है: (1) चारपहिया वाहन में यात्रा करते समय चालक और सह-यात्रियों को अनिवार्य रूप से 3-पॉइंट सीट बेल्ट लगानी चाहिए; अचानक ब्रेक लगने या टक्कर होने पर न्यूटन के प्रथम गति नियम (जड़त्व) के कारण शरीर तीव्र गति से आगे विंडशील्ड, स्टीयरिंग या डैशबोर्ड से टकराता है, जिसे सीट बेल्ट कसकर रोक लेती है और जानलेवा आंतरिक आघात से बचाती है; (2) रेलवे ट्रैक, प्लेटफॉर्म के किनारों या चलती ट्रेन के गेट पर खड़े होकर 'सेल्फी लेना' या 'सोशल मीडिया रील बनाना' अत्यंत खतरनाक और गैर-कानूनी है; भारतीय रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 145 और 147 (अनाधिकृत प्रवेश/उपद्रव) के तहत पटरियों पर स्टंट या वीडियोग्राफी करने पर 6 माह तक का कारावास अथवा 1000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W2 — "सड़क/रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी";

प्र.12. एक दुकानदार किसी वस्तु के अंकित मूल्य पर 10% की छूट देने के बाद भी 20% का शुद्ध लाभ अर्जित करता है। यदि उस वस्तु का वास्तविक क्रय मूल्य 300 रुपये है, तो उस वस्तु का अंकित मूल्य (Marked Price) कितने रुपये होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 400 रुपये

व्याख्या: यह लाभ-हानि तथा बट्टा (Discount) पर आधारित एक मानक और अत्यंत महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।
दिया गया है: वस्तु का क्रय मूल्य (Cost Price - CP) = 300 रुपये।
दुकानदार का अभीष्ट लाभ = 20%।, अतः वस्तु का विक्रय मूल्य (Selling Price - SP) = CP का (100 + लाभ)%
SP = 300 * (120 / 100) = 3 * 120 = 360 रुपये।, अब, माना कि वस्तु का अंकित मूल्य (Marked Price - MP) = M रुपये है।, अंकित मूल्य पर दी गई छूट (Discount) = 10%।, अतः छूट के बाद का विक्रय मूल्य = M का (100 - 10)% = M का 90%।, प्रश्नानुसार: M * (90 / 100) = 360, पक्षांतरण करने पर:, M = (360 * 100) / 90, M = 4 * 100

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

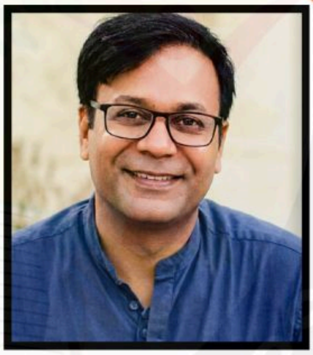

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Aegis (ईजिस) = Protection (प्रोटेक्शन) = संरक्षण / सुरक्षा / आश्रय
   Antonym – Vulnerability (वल्नरेबिलिटी) = असुरक्षा / भेद्यता
2. Circumvent (सर्कमवेंट) = Evade (इवेड) = बच निकलना / चकमा देकर टालना
   Antonym – Confront (कनफ्रन्ट) = सामना करना
3. Deride (डिराइड) = Mock (मॉक) = उपहास करना / मज़ाक उड़ाना
   Antonym – Praise (प्रेज़) = प्रशंसा करना
4. Epistolary (इपिस्टलरी) = Correspondence-based (कॉरस्पॉन्डेन्स-बेस्ड) = पत्र-व्यवहार संबंधी / पत्रों के रूप में लिखा गया
   Antonym – Oral (ओरल) = मौखिक
5. Fervent (फर्वेन्ट) = Ardent (आर्डेन्ट) = उत्साही / जोशीला / प्रबल
   Antonym – Apathetic (ऐपथेटिक) = उदासीन / अनुत्साही

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Cabinet approves EPFO wage ceiling enhancement from ₹15,000 to ₹25,000 per month; benefits 30 lakh workers
हिन्दी अनुवाद: मंत्रिमंडल ने EPFO वेतन सीमा 15,000 से 25,000 रुपये प्रति माह बढ़ाने को मंजूरी दी; 30 लाख श्रमिक लाभान्वित होंगे।�
Union Cabinet ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) की वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने को मंजूरी दी। इससे लगभग 30 लाख अतिरिक्त श्रमिकों को EPFO का लाभ मिलेगा और उनका पेंशन कवरेज बढ़ेगा। यह निर्णय श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करेगा। UPSC/BPSC के लिए: EPFO — कर्मचारी भविष्य निधि संगठन; EPS — कर्मचारी पेंशन योजना; NPS — राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली।

PM Modi to inaugurate SEMICON India 2026 on September 17; semiconductor manufacturing push under India Semiconductor Mission
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी 17 सितंबर को SEMICON India 2026 का उद्घाटन करेंगे; भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा।�
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को नई दिल्ली में SEMICON India 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम भारत की सेमीकंडक्टर नीति और भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के तहत निवेशकों को आकर्षित करने के लिए आयोजित किया गया है। भारत ने सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन यूनिट्स के लिए 76,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की है। UPSC/BPSC के लिए: ISM — India Semiconductor Mission; Fab — Semiconductor Fabrication Unit; PLI Scheme — Production Linked Incentive।

Defence Minister Rajnath Singh emphasizes self-reliance in critical technologies; DRDO-Industry Synergy Meet VIMARSH 2026 held
हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता पर बल दिया; DRDO-उद्योग सिनर्जी मीट VIMARSH 2026 आयोजित।�
रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में अधिक आत्मनिर्भरता और घरेलू उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। रक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में 'वार्ता से विकास' थीम के तहत DRDO-उद्योग सिनर्जी मीट VIMARSH 2026 का आयोजन किया। UPSC/BPSC के लिए: DRDO — रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन; Atmanirbhar Bharat — आत्मनिर्भर भारत; Defence exports — रक्षा निर्यात।

INTERNATIONAL NEWS

US confirms deployment of weapons in space; China, Russia warn of arms race
हिन्दी अनुवाद: US ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती की पुष्टि की; चीन, रूस ने हथियारों की दौड़ की चेतावनी दी।�
अमेरिका ने पहली बार पुष्टि की कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात किए हैं, जिस पर चीन और रूस ने तुरंत चेतावनी दी है। यह कदम अंतरिक्ष सैन्यीकरण (space weaponisation) की चिंताओं को बढ़ावा देता है। UPSC/BPSC के लिए: Space weaponisation — अंतरिक्ष में हथियार तैनाती; Outer Space Treaty 1967 — अंतरिक्ष संधि; PAROS — Prevention of Arms Race in Outer Space।

World Athletics Championships 2029: Nairobi confirmed as host — first time in Africa
हिन्दी अनुवाद: विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2029: नैरोबी मेज़बान के रूप में पुष्ट — अफ्रीका में पहली बार।�
विश्व एथलेटिक्स ने कीनिया की राजधानी नैरोबी को 2029 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का मेज़बान घोषित किया। यह पहली बार होगा जब यह प्रतियोगिता अफ्रीका में आयोजित होगी। UPSC/BPSC के लिए: World Athletics — अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ; Nairobi — कीनिया की राजधानी।

US-Iran war enters new phase; Vice President JD Vance says first phase objectives completed
हिन्दी अनुवाद: US-ईरान युद्ध नए चरण में प्रवेश करता है; उपराष्ट्रपति JD वांस ने कहा कि पहले चरण के उद्देश्य पूरे हुए।�
अमेरिकी उपराष्ट्रपति JD वांस ने कहा कि वॉशिंगटन ने ईरान पर युद्ध के पहले चरण के उद्देश्य पूरे कर लिए हैं और आने वाले महीनों में संघर्ष एक नए चरण में प्रवेश करेगा। US हाउस ने तीसरी बार ईरान में युद्ध समाप्त करने के लिए वार पावर्स रेजोल्यूशन पारित किया है। UPSC/BPSC के लिए: War Powers Resolution — संयुक्त राज्य अमेरिका में युद्ध शक्तियों पर कानून; Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य।

BIHAR NEWS

Smrat Chsudhari, Bihar CM survey flood-hit areas; Centre assures full assistance for losses
हिन्दी अनुवाद: सम्राट चौधरी, बिहार CM ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया; केंद्र ने नुकसान के लिए पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया।�
केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और बिहार CM सम्राट चौधरी ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण किया। दोनों नेताओं ने ट्रैक्टर और नाव से दिघवारा, मनेर, हजीपुर और वैशाली के बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। चौहान ने कहा कि PM मोदी के निर्देश पर वे स्थिति का पहला हाथ आकलन करने आए हैं और केंद्र सरकार पूर्ण सहायता देगी। UPSC/BPSC के लिए: Central team — गृह मंत्रालय द्वारा गठित; CWC — केंद्रीय जल आयोग; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

Ganga, Gandak, Kosi still flowing above danger mark at several locations; 49.67 lakh affected across 15 districts
हिन्दी अनुवाद: गंगा, गंडक, कोसी अभी भी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं; 15 जिलों में 49.67 लाख प्रभावित।�
केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंडक नदी मुजफ्फरपुर के डुमरिया घाट, कोसी खगड़िया के बलतारा और कुरसेला, जबकि गंगा गांधी घाट, हाथीदह, भागलपुर और कहलगांव में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। लगभग 49.67 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। गंगा सहित अधिकांश नदियों में जलस्तर घटने लगा है। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; flood assessment — NDMA दिशानिर्देश।

SPORTS NEWS

FIDE Chess Olympiad 2026 begins in Samarkand; India's men's and women's teams eye gold medal defense
हिन्दी अनुवाद: FIDE चेस ओलंपियाड 2026 समरकंद में शुरू; भारत की पुरुष और महिला टीमों का स्वर्ण पदक रक्षा का लक्ष्य।�
2026 FIDE चेस ओलंपियाड उज़्बेकिस्तान के समरकंद में शुरू हुआ। विश्व चैंपियन D गुकेश भारत की ओपन टीम में बोर्ड 4 पर खेलेंगे। R प्रज्ञानंधा ओपन टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि कोनेरु हंपी महिला टीम से बोर्ड 1 पर खेलेंगी। भारत दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक की रक्षा करने का लक्ष्य रखता है। UPSC/BPSC के लिए: FIDE — अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ; Chess Olympiad — दो साल में एक बार आयोजित टीम प्रतियोगिता।

India defeats Afghanistan by 7 wickets to seal T20I series 2-0; Sanju Samson scores 57 off 22 balls
हिन्दी अनुवाद: भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर T20I श्रृंखला 2-0 से जीती; संजू सैमसन ने 22 गेंदों में 57 रन बनाए।�
नई दिल्ली में खेले गए दूसरे T20I में भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय 2-0 की बढ़त ले ली। संजू सैमसन ने 22 गेंदों में 57 रन की शानदार पारी खेली। भारत ने 160 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया। UPSC/BPSC के लिए: T20I — Twenty20 International; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "इंजीनियरिंग और तकनीक से राष्ट्र का निर्माण होता है — हर समस्या का समाधान नवाचार में है।"

प्रेरक प्रसंग

अवसर का दरवाजा

बिहार के एक छोटे-से गाँव में हर बरसात में खेतों तक जाने वाला रास्ता पानी में डूब जाता था। गाँव के लोग परेशान थे। बैठक में कई लोग रास्ते को ऊँचा करने की बात कर रहे थे, लेकिन इसमें बहुत मिट्टी और खर्च लगता।

बारह साल का मोहन चुपचाप सब सुन रहा था। उसे मिट्टी से छोटे-छोटे मॉडल बनाने का शौक था। उसी रात उसने मिट्टी से रास्ते का एक छोटा मॉडल बनाया। अगले दिन वह उसे लेकर गाँव की बैठक में पहुँचा। कुछ लोग उसे देखकर मुस्कुराए, लेकिन बुजुर्ग रामदास ने कहा, "इसे अपनी बात कहने का अवसर दो।"

मोहन ने मॉडल दिखाते हुए समझाया, "अगर रास्ते को बहुत ऊँचा करने के बजाय इसे थोड़ी ऊँची मेड़ की तरह बनाया जाए और नीचे पानी निकलने के लिए पर्याप्त जगह छोड़ी जाए, तो पानी रास्ते पर फैलने के बजाय उसके नीचे से निकल जाएगा।"

एक बुजुर्ग ने पूछा, "लेकिन यह सच में काम करेगा?"

मोहन ने कहा, "पानी को रोकेंगे तो वह दूसरा रास्ता खोजेगा। उसे रास्ता देंगे तो वह खुद निकल जाएगा।"

गाँव वालों ने उसके विचार को आजमाने का फैसला किया। रास्ते के नीचे पानी की निकासी की व्यवस्था की गई।

अगली बरसात में तेज पानी आया। खेत भर गए, लेकिन रास्ता नहीं डूबा।

रामदास ने मोहन के कंधे पर हाथ रखा और कहा, "हम पानी को रोकने की सोच रहे थे, तुमने उसे रास्ता देने की सोची। फर्क उम्र का नहीं, सोच का था।"

उस दिन गाँव वालों ने एक बात हमेशा के लिए सीख ली—किसी विचार को केवल इसलिए छोटा नहीं समझना चाहिए कि वह किसी बच्चे के मन से आया है।

प्रेरक सीख: अवसर का दरवाजा जब खुलता है, तो केवल प्रतिभा सामने नहीं आती—कभी-कभी ऐसी नई राह भी दिखाई देती है, जिसे सब मिलकर भी नहीं देख पाए थे।

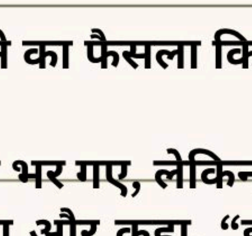

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: अत्यंत सहज | भाग-1

सोचो... समझो... हल करो...

				5	9	6		8
	7	9	8	6	4	2		3
6				2	1	5		
		3				4		
	2	7		4	8	1		6
4	5		6	1			7	
7	1			8		3	6	4
3		6			2	8		9
	9					7		1

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"खुद वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

— महात्मा गांधी

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर (बहुत छोटा)

2	3	1	7	5	9	6	4	8
5	7	9	8	6	4	2	1	3
6	8	4	3	2	1	5	9	7
1	6	3	2	9	7	4	8	5
9	2	7	5	4	8	1	3	6
4	5	8	6	1	3	9	7	2
7	1	2	9	8	5	3	6	4
3	4	6	1	7	2	8	5	9
8	9	5	4	3	6	7	2	1

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"Picture of the Day"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉज़िटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ...

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो ...

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम ...

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण ... संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, ... संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते ...

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त ...

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

क्रांतिकारी विचारों के जनक: बिपिन चंद्र पाल

प्यारे बच्चों, पिछली कहानियों में हमने आज़ादी की लड़ाई की मशहूर त्रिमूर्ति 'लाल-बाल-पाल' में से पंजाब के शेर लाला लाजपत राय और महाराष्ट्र के लोकमान्य तिलक के बारे में पढ़ा। आज हम इसी अमर तिकड़ी के तीसरे अनमोल रत्न 'पाल' यानी बिपिन चंद्र पाल की प्रेरक कहानी सुनेंगे। वे भारत के एक ऐसे निडर सेनानी, महान पत्रकार और ओजस्वी वक्ता थे, जिनकी आवाज़ में ऐसी बिजली कौंधती थी कि जब वे मंच पर बोलने खड़े होते, तो लाखों लोग मंत्रमुग्ध होकर उन्हें सुनते रह जाते थे। इसी अद्भुत प्रतिभा के कारण देश उन्हें 'क्रांतिकारी विचारों का जनक' कहकर पुकारता है।

बिपिन चंद्र पाल का जन्म 7 नवंबर 1858 को अविभाजित भारत के बंगाल प्रांत के सिलहट ज़िले (जो अब बांग्लादेश में है) के पोइल गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री रामचंद्र पाल था, जो फ़ारसी भाषा के बड़े विद्वान और जाने-माने ज़मींदार थे। उनकी माता का नाम श्रीमती नारायणी देवी था, जो अत्यंत स्नेहमयी, दयालु और धर्मपरायण महिला थीं। नन्हे बिपिन बचपन से ही बहुत कुशाग्र बुद्धि, जिज्ञासु और अपनी बात पर अडिग रहने वाले बालक थे। उन्हें बचपन से ही किताबें पढ़ने और समाज में सबको बराबर देखने की गहरी चाह थी। वे पुरानी रूढ़ियों और ऊँच-नीच के सख्त खिलाफ थे। बड़े होकर जब वे कोलकाता पढ़ने गए, तो वे राजा राममोहन राय के ब्रह्म समाज से जुड़े और जीवन भर सामाजिक बुराइयों से लड़ते रहे।

बिपिन बाबू ने सोचा कि अगर देशवासियों को आज़ादी की राह पर चलाना है, तो सबसे पहले कलम की ताकत को जगाना होगा। उन्होंने एक शिक्षक और पत्रकार के रूप में काम शुरू किया। उन्होंने 'परिदर्शक', 'न्यू इंडिया', और 'वंदे मातरम्' जैसे कई प्रसिद्ध अखबार निकाले। अपनी जादुई कलम से वे ऐसे ओजस्वी लेख लिखते थे कि अंग्रेज़ सरकार के अधिकारी डर के मारे थर-थर काँपने लगते थे। महर्षि अरविंद घोष ने एक बार कहा था कि भारत में राष्ट्रवाद की सबसे प्रखर आवाज़ बिपिन चंद्र पाल ही हैं। जब 1905 में अंग्रेज़ों ने बंगाल का बँटवारा करने की साज़िश रची, तब बिपिन बाबू ने पूरे देश में 'स्वदेशी आंदोलन' की अलख जगाई।

उन्होंने गाँव-गाँव और शहर-शहर घूमकर लोगों को समझाया कि हमें अंग्रेज़ों के कारखानों में बने विदेशी कपड़ों और सामानों का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए और केवल अपने देश में बनी देसी चीज़ों को ही अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम खुद का बनाया सामान इस्तेमाल करेंगे, तो हमारे देश के कारीगर और किसान खुशहाल होंगे और अंग्रेज़ खुद ब खुद कमजोर पड़ जाएँगे। जब अंग्रेज़ सरकार ने एक क्रांतिकारी मुकदमे में उनके मित्र अरविंद घोष के खिलाफ गवाही देने का दबाव बनाया, तो बिपिन बाबू ने अपने साथी के साथ गद्दारी करने से साफ मना कर दिया और मुस्कुराते हुए जेल चले गए। 20 मई 1932 को इस महान चिंतक ने दुनिया को अलविदा कहा। प्यारे बच्चों, बिपिन चंद्र पाल का जीवन हमें सिखाता है कि अपनी कलम, सच्चाई और स्वदेशी चीज़ों से प्यार करो और किसी भी अन्याय के सामने कभी अपने कदम पीछे मत खींचो।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org